

भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा

तारिखित प्रश्न सं. - 78*

23 जुलाई, 2021 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष-64

*78. श्री एन. रेड्डप्प:

श्री टी.आर.वी.एस. रमेश:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने यह सिद्ध करने के लिए देश में क्लिनिकल परीक्षण कराए हैं कि आयुष-64 में वायरसरोधी, प्रतिरक्षा न्यूनाधिक और ज्वरनिवारक विशिष्ट गुण हैं;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या आयुष-64 को कोविड-19 के लक्षणरहित, हल्के और मध्यम संक्रमण के उपचार में उपयोगी पाया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (घ) क्या उक्त औषधि को वर्तमान में कोविड-19 की चिकित्सा में भी उपयोगी पाया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सबानंद सोनोवाल)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

लोक सभा म 23 जुलाई, 2021 को पूछे गए तारकित प्रश्न संख्या 78* के उत्तर म उल्लिखित विवरण

(क): जी हां।

(ख): आयुष मंत्रालय ने प्रोफेसर भूषण पटवधन का अध्यक्षता म एक अंतर-विषयक आयुष अनुसंधान एवं विकास कायदल का गठन किया है जिसम आईसीएमआर, डीबीटी, सीएसआईआर, एम्स तथा आयुष संस्थाना के वैज्ञानिक प्रतिनिधि शामिल ह। अंतरविषयक आयुष अनुसंधान और विकास कायदल ने नैदानिक अनुसंधान प्रोटोकॉल तैयार और डिजाइन किए ह ताकि विभिन्न उपचारा के अध्ययन हेतु देशभर के विभिन्न संगठना के उच्च प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के परामश और गहन समीक्षा के जरिए कोविड 19-के पॉजिटिव मामला म रोगनिरोधक अध्ययन और सहायक उपचार किया जा सके। नैदानिक अध्ययना के लिए आयुष-64 चिन्हित किए गए औषधयोग म से एक है। यह औषध आयुष मंत्रालय के अधीन, स्वायत्त अनुसंधान संगठन, केंद्रीय आयुवदोय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) द्वारा 1980 म मलेरिया जैसी संक्रामक ज्वराय स्थितिया के लिए गहन भेषजाविज्ञान, विषाक्तता विज्ञान और नैदानिक अध्ययना के माध्यम से विकसित किया गया था।

प्रयोगसिद्ध साक्ष्य के आधार पर, आयुष-64 को कोविड-19 के लिए पुनरुद्देशित किया गया था और इसका उपचारात्मक क्षमता का आकलन करने के लिए गहन अध्ययना नामतः इन-सालिको, इन-विट्रो और नैदानिक अध्ययन संचालित किए गए थे। तदनुसार, सीसीआरएएस ने एकमात्र अथवा मानक पारंपरिक परिचया म सहायक के रूप म कोविड-19 के लक्षणरहित और हल्के से मध्यम मामला म आयुष-64 पर 5 नैदानिक परीक्षण किए ह। आयुष-64 पर अन्य नैदानिक अध्ययन आयुवद म शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए), जामनगर और राष्ट्रीय आयुवद संस्थान (एनआईए), जयपुर म संचालित किए गए। इन अध्ययना को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अधीन क्लिनिकल ट्रायल्स रजिस्ट्री ऑफ इंडिया (सीटीआरआई) के पास पंजीकृत कराया गया। आयुष-64 पर इन नैदानिक अध्ययना को डाटा एवं सुरक्षा निगरानी बोड (डीएसएमबी) द्वारा निगरानी और आर्वाधिक रूप से समीक्षा को गई। आयुष-64 पर नैदानिक अध्ययन 9 प्रतिष्ठित संस्थाओं के सहयोग से किया गया जिसम किंग जाज मेडिकल यूनीवर्सिटी, लखनऊ, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, राजकाय चिकित्सा कॉलेज, नागपुर, दंतामेघे चिकित्सा विज्ञान संस्थान, वधा, बॉम्बे नगर निगम कोविड परिचया केंद्र, मुम्बई, श्री धन्वतरि आयुर्वेदिक कॉलेज, चंडीगढ़, गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय चिकित्सा अस्पताल, जामनगर, आयुवद एवं यूनानी तिब्बिया कॉलेज, नई दिल्ली और चौधरी बहम प्रकाश आयुवद चरक संस्थान नई दिल्ली शामिल ह।

(ग): नैदानिक परीक्षा के अनुसंधान निष्कर्षा ने एकमात्र रूप म लक्षणरहित और हल्के मामला के उपचार म तथा मानक परिचया म सहायक के रूप म कोविड-19 के हल्के से मध्यम मामला के प्रबंधन के लिए आयुष-64 का प्रभावकारिता प्रदर्शित को है। यह पाया गया कि मानक परिचया म सहायक उपचार के रूप म आयुष-64 से नैदानिक रिकवरी म बेहतर सुधार हुआ और रोग के गंभीर चरण तक पहुंचे बिना अस्पताल म भर्ता रहने को अर्वाधि म कमी हुई। साथ ही, जीवन को गुणवत्ता (क्यूओएल) के मानदंडा म सुधार हुआ। आयुष-64 बेहतर रूप से सहन को गई और नैदानिक रूप से सुरक्षित पाई गई। 3 नैदानिक परीक्षा के प्री-प्रिंट ऑनलाइन उपलब्ध ह।

(घ): जी, हां। आयुष-64 को कोविड-19 के लक्षणरहित और हल्के से मध्यम मामलों में प्रबंधन के लिए पुनरुद्देशित किया गया है और कोविड-19 के प्रबंधन के लिए आयुवद और योग पर आधारित राष्ट्रीय नैदानिक प्रबंधन प्रोटोकॉल में अनुशंसित किया गया है।

भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान, आयुष मंत्रालय ने घर में आईसोलेशन में लक्षणरहित और हल्के से मध्यम कोविड-19 रोगियों को आयुष-64 का वितरण करने के लिए अपनी अनुसंधान परिषदा और राष्ट्रीय संस्थानों के माध्यम से राष्ट्रव्यापी अभियान भी आरंभ किया है। इसके अतिरिक्त आयुष-64 का प्रौद्योगिकी कोविड-19 के पुनरुद्देश्य के लिए 29 आयुष फार्मास्यूटिकल विनिर्माण इकाइयों को हस्तांतरित की गई है।
